चलो माता वैष्णो के द्वार भक्तो

चलो माता वैष्णो के द्वार भक्तो

चलो माता, वैष्णो के, द्वार भक्तो,
यही तो है, सच्चा, दरबार भक्तो ॥
माता रानी, भर देगी, ख़ाली झोलियाँ,
आना है, यहां पे, वार वार भक्तो ।
चलो माता, वैष्णो के, द्वार,,,,,

संकट, मिटाने वाली, शेरोंवाली माँ,
विगड़ी, बनाने वाली, शेरोंवाली माँ ।
विछड़े, मिलाने वाली, शेरोंवाली माँ
सपने, सजाने वाली, शेरोंवाली माँ ॥
खुशियाँ, भी देगी, बेशुमार भक्तो,
यही तो है, सच्चा, दरबार भक्तो,,,
चलो माता, वैष्णो के, द्वार,,,,,

त्रिकुटा, पहाड़ पे है, माता का भवन,
वार वार, देखने को, करता है मन ।
मईया जी के, चरणों में, लगी है लग्न,
मत, घबराओ, माता देगी दर्शन ॥
आती हो के, शेर पे, सवार भक्तो,
यही तो है, सच्चा, दरबार भक्तो,,,
चलो माता, वैष्णो के, द्वार,,,,,

ममता, लुटाती माता, करती दया,
देती है, आशीश मईया, सभी को सदा ।
यूँ ही, बरसाएगी वोह अपनी कृपा,
कभी ना, बुझेगा माँ के, प्यार का दिया ॥
होने नहीं, देगी कभी, हार भक्तो,
यही तो है, सच्चा, दरबार भक्तो,,,
चलो माता, वैष्णो के, द्वार,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्ति भोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34689/title/chalo-mata-vaishno-ke-dwar-bhakto

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |